



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 जून, 2025

जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पश्चिम मानसून 08 जुलाई की सामान्य तिथि के मुकाबले 29 जून, 2025 को पूरे देश को कवर कर चुका है।

(ii) अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 29 और 30 जून को झारखंड में और 29 जून को ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज 29 जून 2025 को राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शेष हिस्सों और पूरी दिल्ली में आगे बढ़ गया है। इस प्रकार, यह 8 जुलाई की सामान्य तिथि (पूरे भारत को कवर करने की सामान्य तिथि से 9 दिन पहले) के मुकाबले 29 जून, 2025 को पूरे देश को कवर कर चुका है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर मानसून की दब रेखा फिरोजपुर, सोनीपत, अयोध्या, गया, पुरुलिया, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र और आसपास के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व तक गुजरती है।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (29 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- ❖ ओडिशा, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है; गंगीय पश्चिम बंगाल, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा।
- ❖ तमिलनाडु, मध्य महाराष्ट्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश, केरल, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर 40-70 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक I देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक III & IV देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- ❖ आज 29 जून को 0530 बजे IST पर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी भाग और उससे सटे पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है और आज 29 जून 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना हुआ है। अगले 2 दिनों के दौरान इसके उत्तरी ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड में धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ और उससे सटे दक्षिण राजस्थान पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र आज 29 जून 2025 को 0830 बजे IST पर कम चिह्नित हो गया है। हालांकि, संबंधित चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण राजस्थान और उससे सटे उत्तर गुजरात में निचले क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है।
- ❖ पूर्व-पश्चिम द्रोणिका अब दक्षिण राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों पर निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक चलती है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकती है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी हरियाणा और दूसरा दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में निचले क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी अरब सागर के मध्य भागों पर स्थित है, जो मध्य क्षोभमंडल स्तरों तक फैला हुआ है।
- ❖ इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ❖ 29 और 30 जून को झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर और 29 जून को ओडिशा में अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 5 जुलाई के दौरान झारखंड, ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; 29 जून से 2 जुलाई के दौरान विदर्भ, 29 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 30 जून से 5 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 30 जून से 1 जुलाई के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और 4 और 5 जुलाई को मध्य प्रदेश, बिहार में 30 जून से 2 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा, 30 जून और 1 जुलाई को विदर्भ, छत्तीसगढ़, 29 जून को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, 30 जून से 5 जुलाई के दौरान ओडिशा, 1 जुलाई को झारखंड।
- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएँ चलने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 29 जून से 5 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़; 2 से 5 जुलाई के दौरान राजस्थान; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में बहुत भारी वर्षा; 29 और 30 जून को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा; 29 जून से 2 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 30 जून और 1 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश, 4 और 5 जुलाई को पूर्वी राजस्थान।
- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, साथ ही आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, तथा 29 और 30 जून को मराठवाड़ा में भी भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बारिश और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 02-05 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 29 जून, 03 और 04 जुलाई को केरल और माहे में, 29 और 02-05 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में, 02-05 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छिटपुट वर्षा, बिजली गिरने की संभावना है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ 29 जून को असम के मैदानी इलाकों में, 29 जून से 01 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को 29 जून से 04 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- ❖ गुजरात तट के साथ-साथ, सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और उसके आसपास के यमन तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों, उत्तरी अरब सागर के अधिकांश भागों, मध्य और उसके आसपास के उत्तर, दक्षिण अरब सागर में 29 जून से 4 जुलाई तक, कोंकण तटों पर 29 जून, 2 और 3 जुलाई को, उत्तर कोंकण तट के साथ-साथ 30 जून और 1 जुलाई को; गोवा, कर्नाटक, केरल तटों और लक्षद्वीप क्षेत्र में पहले दिन (29 जून) के लिए।

बंगाल की खाड़ी:

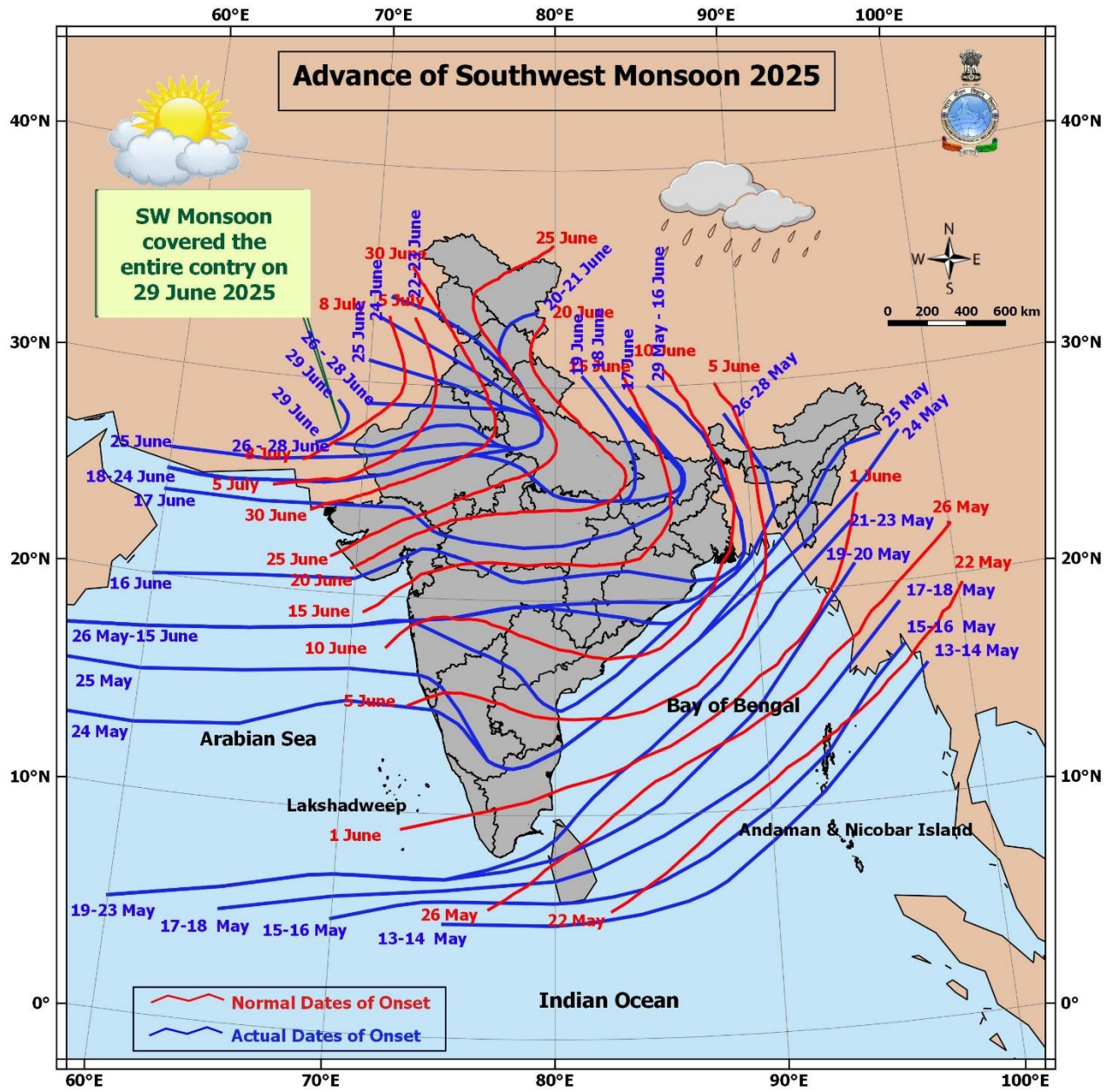
- ❖ 29 जून और 02 जुलाई के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश के साथ-साथ, 30 जून और 01 जुलाई के लिए उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट पर; 29 जून से 03 जुलाई के दौरान ओडिशा के तट पर और उसके आसपास, और 29 जून से 03 जुलाई के दौरान पश्चिम बंगाल के तट पर। 29 जून से 02 जुलाई के दौरान मध्य और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 01 जुलाई को पश्चिम-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 29 जून से 04 जुलाई के दौरान मन्नार की खाड़ी के ऊपर, 29 और 30 जून के लिए अंडमान सागर के ऊपर।

ii. 29 जून से 2 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>



वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ❖ ओडिशा: चंदुआ कुलियाणा (जिला मयूरभंज) 32; जमसोलाघाट (जिला मयूरभंज) 28; सुलियापाड़ा (जिला मयूरभंज), सरसाकाना (जिला मयूरभंज) 25 प्रत्येक; चंदनपुर (जिला मयूरभंज) 22; बंगिरीपोसी (जिला मयूरभंज) 20; समाखुंटा (जिला मयूरभंज) 18; जलेश्वर (जिला बालासोर) 15; खैरा (जिला बालासोर) 12; उदाला (जिला मयूरभंज), सोनपुर (जिला सोनपुर), राजघाट (जिला बालासोर), औपाड़ा (जिला बालासोर) 11 प्रत्येक; हाताडीही (जिला क्योझरगढ़), बीजाटाला (जिला मयूरभंज), कुसुमी (जिला मयूरभंज) 10 प्रत्येक; अताबीरा (जिला बरगढ़), कप्तिपाड़ा (जिला मयूरभंज), रायरंगपुर (जिला मयूरभंज) 9 प्रत्येक; गैसिलेट (जिला बरगढ़), तालचेर (जिला अंगुल), बौधगढ़ (जिला बौधगढ़), जयपुर (जिला बालासोर), बिरमहाराजपुर (जिला सोनपुर), मुरुदा (जिला मयूरभंज) 8 प्रत्येक; कंटामल (जिला बौधगढ़), नीलगिरि (जिला बालासोर), अथमलिक (जिला अंगुल), भुबन (जिला ढेंकनाल), टायरिंग (जिला मयूरभंज), चैदीपाड़ा (जिला अंगुल), राजनगर (जिला केंद्रपाड़ा), अंगुल (जिला अंगुल) 7 प्रत्येक;
- ❖ झारखंड: बहरागोड़ा (जिला पूर्वी सिंहभूम) 31; घाटशिला (जिला पूर्वी सिंहभूम) 30; चाकुलिया (जिला पूर्वी सिंहभूम) 13; पोटका (जिला पूर्वी सिंहभूम) 10; जमशेदपुर एपी (जिला पूर्वी सिंहभूम), जमशेदपुर (जिला पूर्वी सिंहभूम), हजारीबाग केवीके एडब्ल्यूएस (जिला हजारीबाग), बोरोम (जिला पूर्वी सिंहभूम), गारु (जिला लातेहार) 7 प्रत्येक;
- ❖ उत्तराखंड: गंगानगर (जिला रुद्रप्रयाग) 19; नरेन्द्रनगर (जिला गढ़वाल टेहरी) 17; जौलीग्रांट (जिला देहरादून) 15; ऋषिकेश (जिला देहरादून) 11; कोटद्वार (जिला गढ़वाल पौड़ी) 10; बनबसा (जिला चम्पावत) 9; मसूरी (जिला देहरादून), जखोली (जिला रुद्रप्रयाग), धनोल्टी (जिला गढ़वाल टिहरी) 8 प्रत्येक; लैंडस्टाउन (जिला गढ़वाल पौड़ी), देवप्रयाग (जिला गढ़वाल टेहरी), देहरादून (जिला देहरादून) 7 प्रत्येक;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 14; पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 12; माया बंदर (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 10;
- ❖ असम और मेघालय: बिहपुरिया एडब्ल्यूएस (जिला लखीमपुर) 13; रंगनदी एन टी जिंग (जिला लखीमपुर) 7;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: जोगिंदरनगर (जिला मंडी) 13; कसौली (जिला सोलन), पांवटा (जिला सिरमौर), काहू (जिला बिलासपुर) 12 प्रत्येक; सुन्दरनगर (जिला मण्डी) 10; शिमला (जिला शिमला), कुफरी एडब्ल्यूएस (जिला शिमला), बिलासपुर सदर (जिला बिलासपुर) 9 प्रत्येक; धरमपुर (जिला सोलन), सोलन (जिला सोलन), सुजानपुर टीरा (जिला हमीरपुर) 8 प्रत्येक; पंडोह (जिला मंडी) 7;
- ❖ हरियाणा-चंडीगढ़: चंडीगढ़ (जिला चंडीगढ़) 12; चंडीगढ़ एडब्ल्यूएस (जिला चंडीगढ़) 11; अम्बाला (जिला अम्बाला), अम्बाला कैंट (जिला अम्बाला), ताजेवाला (जिला यमुनानगर) 9 प्रत्येक; अम्बाला आरईवी (जिला अम्बाला), चंडीगढ़ आईएफ (जिला चंडीगढ़) 8 प्रत्येक; प्रतापनगर आरईवी (जिला यमुनानगर) 7;
- ❖ पंजाब: भरतगढ़ (जिला रूपनगर) 11; नवांशहर (जिला एसबीएस नगर), फिरोजपुर केवीके एडब्ल्यूएस (जिला फिरोजपुर), घनौली (जिला रूपनगर), कोटला (जिला रूपनगर) 7 प्रत्येक;
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: अम्फू खड़गपुर (जिला पश्चिम मिदनापुर) 10; बांकुरा (सीडब्ल्यूसी) (जिला बांकुरा) 9; कंसाबती बांध (जिला बांकुरा), बांकुरा (जिला बांकुरा) 8 प्रत्येक;
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 9;
- ❖ तटीय कर्नाटक: बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़) 9; कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 7; पश्चिम मध्य प्रदेश: मऊ (जिला भिंड) 9; मनावर (जिला धार) 7;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: चिखली (जिला नवसारी) 9; वलसाड (जिला वलसाड) 8; जम्बुघोड़ा (जिला पंचमहल), खेरगाम (जिला नवसारी) 7 प्रत्येक;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: डाबरी एफएमओ (जिला फर्रुखाबाद) 9; बलरामपुर (जिला बलरामपुर) 7;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बिजनोर (जिला बिजनोर) 8; अलीगढ़ (जिला अलीगढ़) 7;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शाहुवाड़ी (जिला कोल्हापुर) 7;
- ❖ छत्तीसगढ़: चंदो (जिला बलरामपुर) 7;

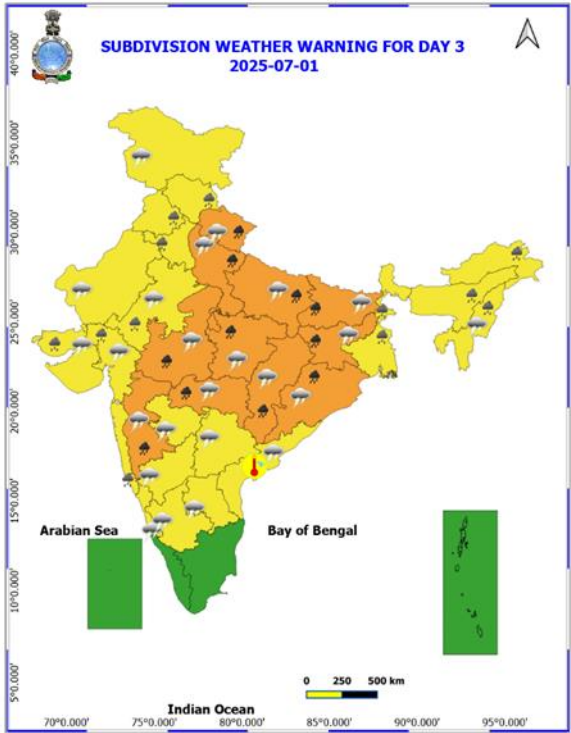
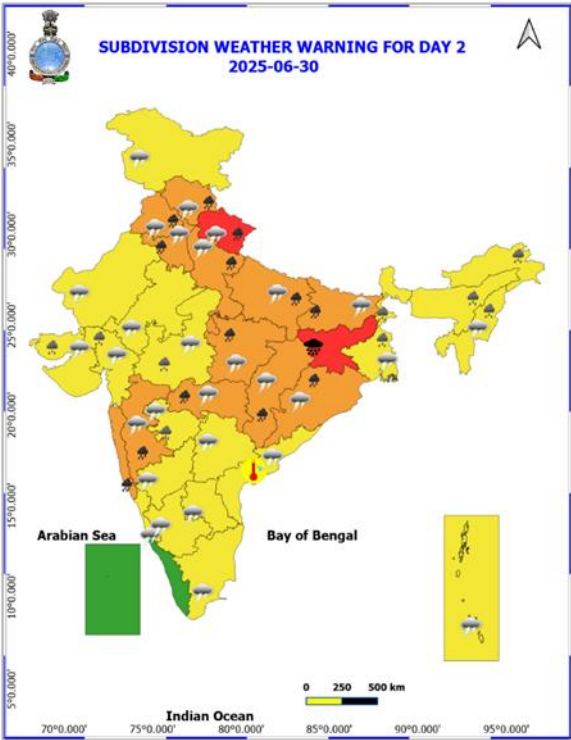
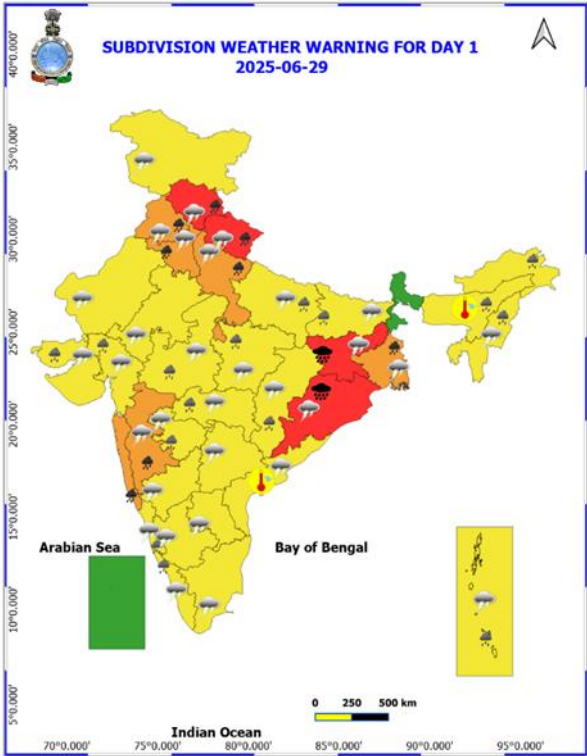
- ❖ पूर्वी राजस्थान: कोटडा एसआर (जिला उदयपुर) 7;
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा), भागमंडला (जिला कोडागु) 7 प्रत्येक;
- ❖ केरल और माहे: पीरमाडे से (जिला इडुक्की), पेरुमपावुर (जिला एर्नाकुलम) 7 प्रत्येक।

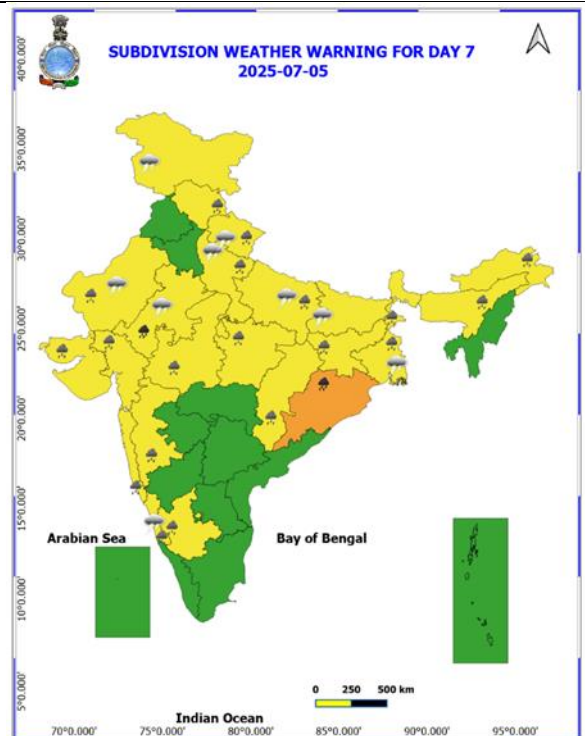
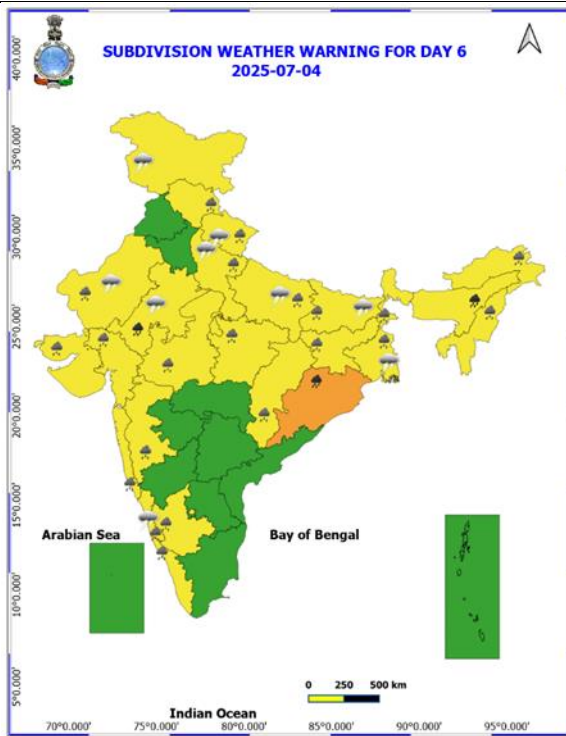
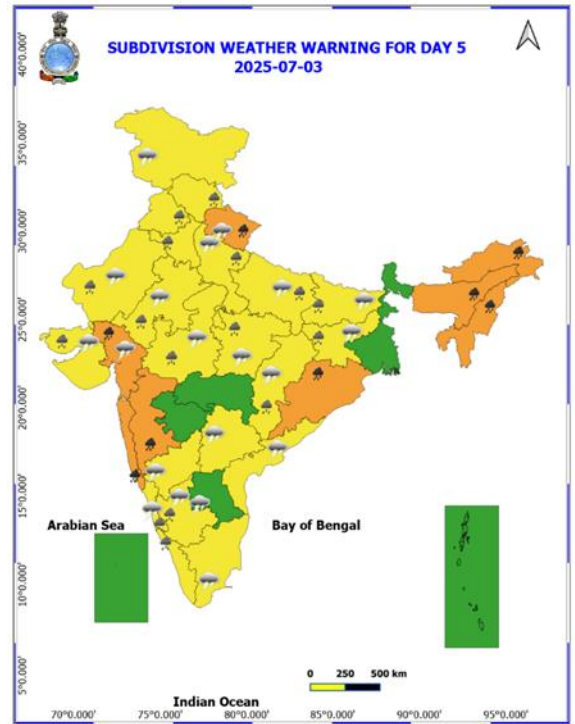
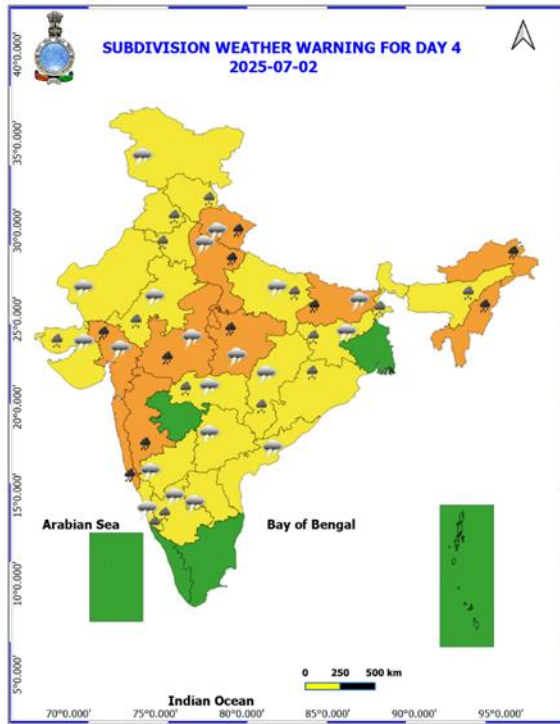
बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 29 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- ❖ तमिलनाडु: नाथम_इसरो(70), तेनकासी(50), वेदसंदूर(52), कदवुर (तालुक_कार्यालय)(48), तिरुचेंदूर(43),
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक) -67 किमी प्रति घंटा, महाबलेश्वर (सतारा) -59 किमी प्रति घंटा, कलवन (नासिक) और कुरवंडे (पुणे) - 57 किमी प्रति घंटा;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (58); स्वराज द्वीप (48); फ़रारगंज, शहीद द्वीप (37);
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: उज्जैन 57 किमी प्रति घंटा;
- ❖ पंजाब: मोगा=56, रोपड़=37;
- ❖ हरियाणा: मेवात=56, पांडु_पिंडारा=43, करनाल=39;
- ❖ कोंकण और गोवा: सांताक्रूज़ - 50 किमी प्रति घंटा, पालघर - 46 किमी प्रति घंटा, दापोली (रत्नागिरी) - 43 किमी प्रति घंटा;
- ❖ मराठावाड़ा: छ.ग. संभाजी नगर - 48 किमी प्रति घंटा, जालना - 44 किमी प्रति घंटा, अंबेजोगाई (बीड) - 44 किमी प्रति घंटा;
- ❖ बिहार: डुमरांव (44);
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: इंटीग्रल यूनिवर्सिटी (लखनऊ) और रायबरेली (एडब्ल्यूएस)-44 प्रत्येक, बलरामपुर (एडब्ल्यूएस)-43;
- ❖ ओडिशा: कटक, जगतसिंहपुर (41); रानीताल, कैदपाड़ा (37); पितापल्ली, सोनपुर (30);
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: अनुपपुर 41 किमी प्रति घंटा;

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Jun	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

दिल्ली/एनसीआर में 29 जून से 02 जुलाई 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 - 2°C और अधिकतम तापमान में 1 - 3°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 36 से 37°C और 24 से 27°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 - 3°C तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी प्रति घंटे की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में सामान्यतः बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से हवा की गति 6 किमी प्रति घंटे से कम रही।

मौसम पूर्वानुमान:

29.06.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा/गर्जन के साथ बिजली गिरने और गरज-चमक के दौरान 30 - 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएँ चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 4 - 6°C तक कम रहेगा। दोपहर में मुख्यतः सतही हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी, जो शाम और रात के दौरान बढ़कर 10-15 किमी प्रति घंटे हो जाएँगी।

30.06.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 2°C और अधिकतम तापमान सामान्य से 4 - 6°C तक कम रहेगा। सुबह मुख्यतः हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी। दोपहर में दक्षिण दिशा से हवाओं की गति घटकर 08-10 किमी प्रति घंटे रह जाएगी और शाम-रात में यह घटकर 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

01.07.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5°C तक कम रहेगा। सुबह मुख्यतः हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी, दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाओं की गति घटकर 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम-रात में यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

02.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह मुख्यतः हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी, जो दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएँगी और शाम-रात में दक्षिण-पश्चिम दिशा से घटकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएँगी।

गरज-चमक/तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- गरज-चमक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। पेड़ों की टहनियों के टूटने, बड़े पेड़ों के गिरने, सूखी टहनियों के उड़ने की संभावना। खड़ी फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर नजर रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएँ। घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें। पेड़ों के नीचे शरण न लें, सीमेंट की ज़मीन पर न लेटें और दीवारों से न सटें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आ जाएँ, और बिजली प्रवाह करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

गरज-चमक/तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- गरज-चमक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। पेड़ों की टहनियों के टूटने, बड़े पेड़ों के गिरने, सूखी टहनियों के उड़ने की संभावना। खड़ी फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर नजर रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएँ। घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें। पेड़ों के नीचे शरण न लें, सीमेंट की ज़मीन पर न लेटें और दीवारों से न सटें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आ जाएँ, और बिजली प्रवाह करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 29 और 30 जून को झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर और 29 जून को ओडिशा में अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 3 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा, 29 और 30 जून को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा; 29 जून को पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र, 30 जून से 5 जुलाई के दौरान ओडिशा, 1 जुलाई को झारखंड, 29 जून से 2 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 30 जून से 2 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, बिहार, 30 जून और 1 जुलाई को विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, 4 और 5 जुलाई को पूर्वी राजस्थान, 2-5 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा। अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात राज्य में भारी वर्षा।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा में मक्का, मूंग, पपीता, केला और सब्जी वाली फसलों की बुवाई स्थगित कर दें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। पपीते और केले के पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए उन्हें मजबूत लकड़ी का सहारा दें।
- झारखंड में, अरहर, रागी और धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित कर दें। पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- गांगेय पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी और अदरक के खेतों में जल जमाव से बचाने हेतु अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- उत्तराखंड में, धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। अरहर, मूंगफली, मक्का, गन्ना, बाजरा, रागी, पहले से बोई गई धान की नर्सरी, राजमा, उड़द, मूंग, सब्जी और बागों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) और फलों को तोड़कर सुरक्षित स्थान पर रखें। गन्ने के पौधों को गिरने से बचाने हेतु आपस में बांध दें। उत्तराखंड के भाबर और तराई क्षेत्र में धान की नर्सरी, सोयाबीन, राजमा, उड़द और मूंग की बुवाई स्थगित करें। वसंतकालीन मक्का की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- हिमाचल प्रदेश में, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। मिट्टी जनित रोगों की संभावना को कम करने के लिए टमाटर के पौधों से खरपतवार और निचली पत्तियां हटा दें। लताओं और लंबी सब्जी-वर्गीय फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मंडी जिले में मक्का की बुवाई और चावल की रोपाई स्थगित करें। चावल की नर्सरी और पहले से बोए गए मक्का के खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- पंजाब में, कपास, मक्का के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, मक्का की बुआई स्थगित करें। पहले से बोई गई मक्का, धान की नर्सरी, अरहर, गन्ने और सब्जियों, से अतिरिक्त पानी निकाल दें। गन्ने के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें आपस में बाँध दें। पूर्वी उत्तर प्रदेश में, अरहर और उड़द की बुआई स्थगित कर दें। देर से बोई गई धान की नर्सरी, मूंगफली, मूंग, मक्का और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- गुजरात में, बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें। सौराष्ट्र और कच्छ में, सब्जी की नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- कोंकण और गोवा में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में, जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- पश्चिम मध्य प्रदेश में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। पूर्वी मध्य प्रदेश में, परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। पहले से बोए गए/रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- केरल में, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

30-06-2025 को 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

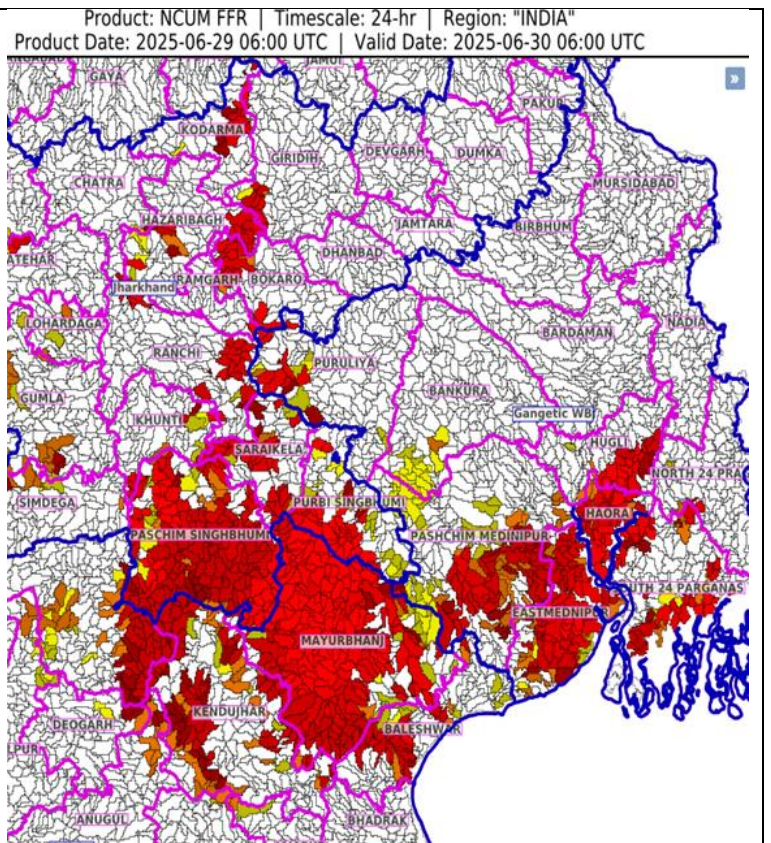
हिमाचल प्रदेश - कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश - बिजनौर, पीलीभीत और शरणपुर जिले।

हरियाणा - चंडीगढ़ और दिल्ली - यमुनानगर जिला।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



30-06-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

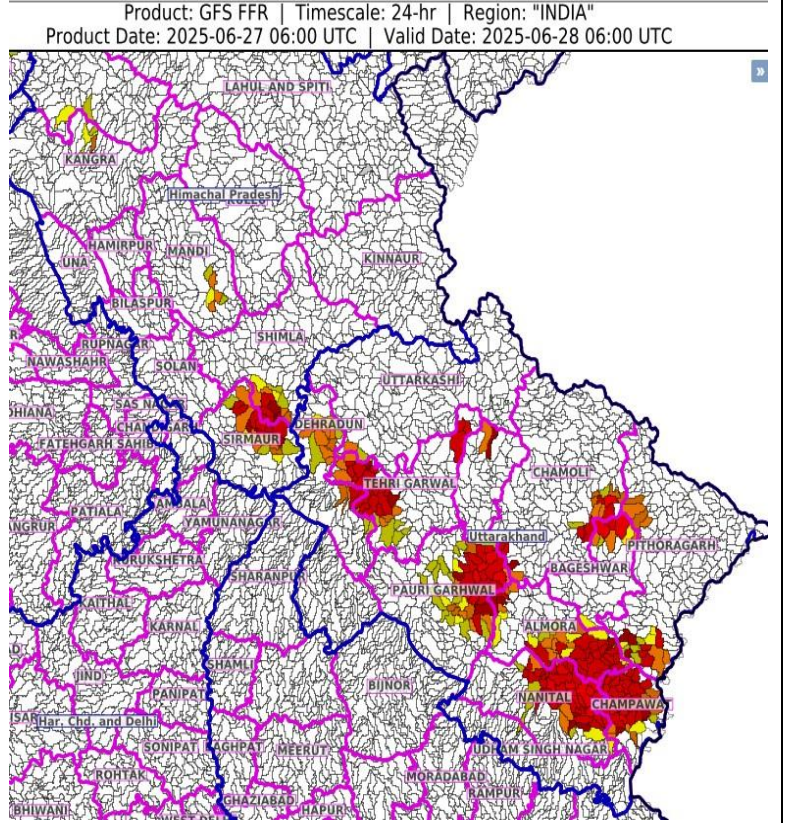
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

ओडिशा - अनुगुल, बालेश्वर, देवगढ़, जाजापुर, केंदुझार, मयूरभंज, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिले।

गांगेय पश्चिम बंगाल - बांकुरा, पूर्वीमेदनीपुर, हाओरा, हुगली, उत्तर 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना जिले।

झारखंड-बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, कोडरमा, लोहरदगा, रामगढ़, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

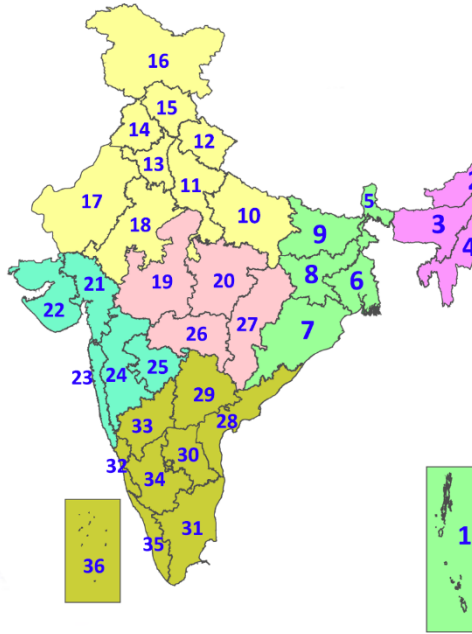
मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।

➤ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)